वामन द्वारा अंकीय परिकल्पना

गाड़ेपछ्ठि वेंकट विश्वनाथ शर्मा *

Contents

नामकरण				
1	तंत्रांश	1		
2	सप्रतिष्ठान	1		
3	द्शक गणित्र	2		

सार—इस आलेख में वामन को दशक गणित्र के रूप में उपयोग करने का विधान प्रस्तुत है।

नामकरण

Combination	संचय
Computer	संगणक
Download	अवाहरत

Execute निष्पादित, चालयन Finite State Machine परिमित अवस्था यंत्र

Flash प्रस्फुरण
Hardware यंत्रान्श
Now इदान
Permutation क्रमचय
Programming क्रमादेशन
Resistance प्रतिरोध

Sequential Circuit अनुक्रमिक परिपथ

Software तंत्रान्श Weblink जालबन्धन Wordlength मात्राभार

1 तंत्रांश

इस आलेख के समस्त कमादेश निम्न जालबन्धन में उपलब्ध हैं।

https://github.com/gadepall/vaman/ tree/master/arm/codes/decoders https://github.com/gadepall/vaman/ tree/master/arm/codes/fsm

*रचियता भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, हैदराबाद,५०२२८५ के विद्युत अभियान्त्रिकी विभाग में कार्यरत हैं, ईमेल:gadepall@ee.iith.ac.in। यह लेख मुक्त स्रोत विचारधारा के अनुरूप है।

D	С	В	Α	a	b	С	d	e	f	g	Decimal
0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	1	0
0	0	0	1	1	0	0	1	1	1	1	1
0	0	1	0	0	0	1	0	0	1	0	2
0	0	1	1	0	0	0	0	1	1	0	3
0	1	0	0	1	0	0	1	1	0	0	4
0	1	0	1	0	1	0	0	1	0	0	5
0	1	1	0	0	1	0	0	0	0	0	6
0	1	1	1	0	0	0	1	1	1	1	7
1	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	8
1	0	0	1	0	0	0	1	1	0	0	9

सारणी. 2.1.1: प्रदर्शी निष्कृटक की सत्य सारिणी ।

2 सप्रतिष्ठान

2.1. सारणी 2.1.1 को वामन एवं सप्तांश प्रदर्शी से कार्यान्वित करें।

हल: निम्न समीकरण में सारणी 2.1.1 के निर्गत चर a,b,c,d,e,f,g की अभिव्यक्ति आगत चर A,B,C,D के द्वारा की गयी है

$$a = AB'C'D' + A'B'CD'$$
 (2.1.1)

$$b = AB'CD' + A'BCD' \tag{2.1.2}$$

$$c = D'C'BA' \tag{2.1.3}$$

$$d = AB'C'D' + A'B'CD' + ABCD' + AB'C'D$$

$$(2.1.4)$$
 $e = AB'C'D' + ABC'D' + A'B'CD' + AB'CD'$

$$+ ABCD' + AB'C'D \tag{2.1.5}$$

(2.1.6)

$$f = AB'C'D' + A'BC'D' + ABC'D' + ABCD'$$

$$g = A'B'C'D' + AB'C'D' + ABCD'$$
 (2.1.7)

निम्न क्रमादेश को इदान निष्पादित करें।

codes/decoders/dispdec/main.c

तत्पश्चात चरों के भिन्न संचय के लिये प्रदर्शी में प्राप्त अंकों को सारणी 2.1.1 से सत्यापित करें।

Z	Y	X	W	D	С	В	Α
0	0	0	0	0	0	0	1
0	0	0	1	0	0	1	0
0	0	1	0	0	0	1	1
0	0	1	1	0	1	0	0
0	1	0	0	0	1	0	1
0	1	0	1	0	1	1	0
0	1	1	0	0	1	1	1
0	1	1	1	1	0	0	0
1	0	0	0	1	0	0	1
1	0	0	1	0	0	0	0

सारणी. 2.2.1: परवर्ती निष्कृटक की सत्य सारिणी ।

2.2. सारणी 2.2.1 में एक परवर्ती निष्कूटक के गुणधर्म का उल्लेख हैं। बूलीय समीकरणों के द्वारा A,B,C,D को W,X,Y,Z के व्यञ्जकों में व्यक्त करें। इसके पश्चात वामन के द्वारा परवर्ती निष्कूटक को कार्यान्वियत करें। हल: निम्न समीकरणों में आवश्यक व्यञ्जक उपलब्ध हैं।

$$A = W'X'Y'Z' + W'XY'Z' + W'X'YZ' + W'XYZ' + W'XYZ' + W'X'Y'Z$$
 (2.2.1)

$$B = WX'Y'Z' + W'XY'Z'$$

$$+ WX'YZ' + W'XYZ' \qquad (2.2.2)$$

$$C = WXY'Z' + W'X'YZ'$$

$$+ WX'YZ' + W'XYZ'$$
 (2.2.3)

$$D = WXYZ' + W'X'Y'Z \tag{2.2.4}$$

निम्न कमादेश का चालयन करें। प्रदर्शी में परवर्ती अंक उत्पन्न होंगे।

codes/decoders/incdec/main.c

2.3. आकृति. 2.3.2 में वामन के समस्त कुशाव्यूह प्रस्तुत हैं। कुशाव्यूह J5 को आकृति 2.3.1 में प्रदत्त सप्तांश प्रदर्शी के कुशों से सारणी 2.3.1 के द्वारा योजित करें। ध्यान रहे कि COM एवं 3.3V के मध्य एक प्रतिरोधी अनिवार्य है। तत्पश्चात निम्न कमादेश का चालयन करें।

codes/fsm/dispdec/main.c

2.4. उपरोक्त कमादेश में संशोधन कर परवर्ती निष्कूटक की अभिकल्पना एवं कार्यान्वयन करें।

3 दशक गणित्र

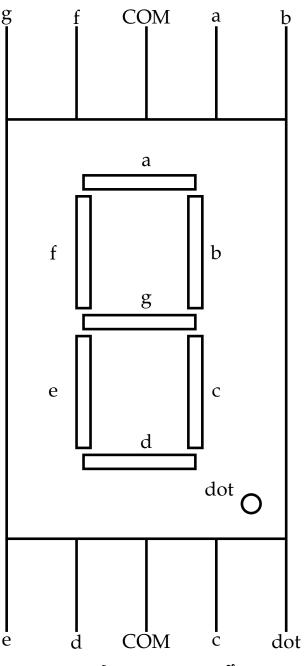
3.1. आकृति. 3.1.1 में समस्त निशकूटक को वामन के द्वारा कार्यान्वियत करें एवं अतिकाल को द्विविध के द्वारा उपलब्ध

प्रदर्शी	वामन
a	IO_4
b	IO_5
С	IO_6
d	IO_7
e	IO_8
f	IO_10
g	IO_11
COM	3.3 V

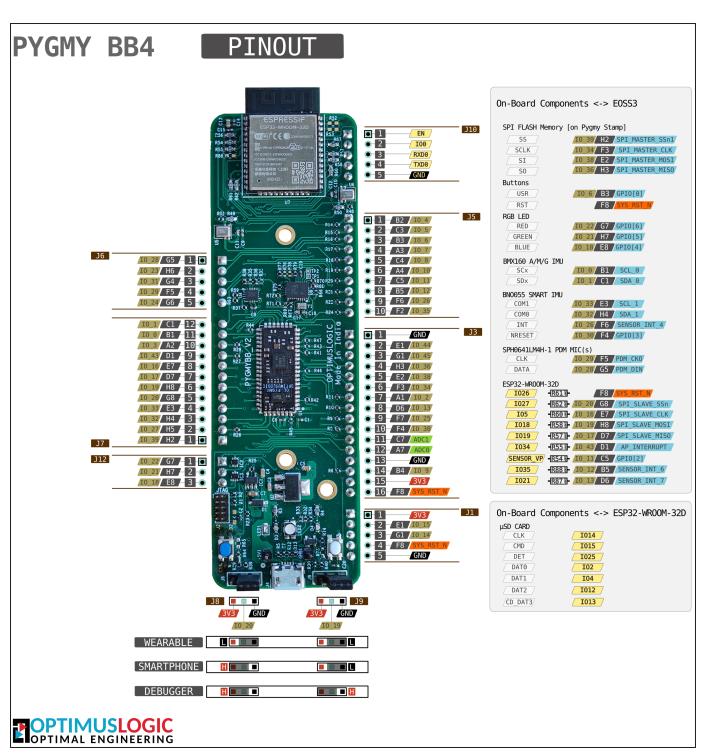
आगत चर	वामन कुश
A	IO_28
В	IO_23
С	IO_31
D	IO_29

सारणी. 2.3.1: सप्तांश प्रदर्शी-वामन कुश योजना।

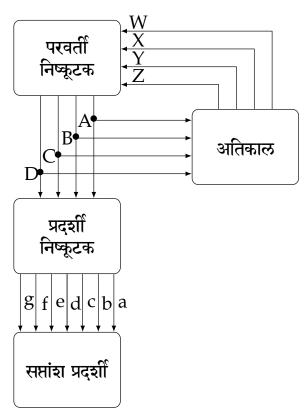
करें। आकृति. 3.1.1 एक परिमित अवस्था यंत्र का उदाहरण है जिसका निर्माण अनुक्रमिक परिपथ के द्वारा संभव है।



आकृति. 2.3.1: सप्तांश प्रदर्शी



आकृति. 2.3.2: कुश आरेख



आकृति. 3.1.1: दशक गणित्र का खंड आरेख.